BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (27.11.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 27.11.2024, PAGE-08

कुलपति ने विवि अधिकारियों के साथ समीक्षा के बाद दिया निर्देश

गाइड और बची सीटों के आधार पर बनेगा रिजल्ट

पैट 2022

- पैट 2021 के कितने रिसर्च स्कॉलर को मिली गाइड, मांगी गई रिपोर्ट
- वीसी बोले, अगस्त में जारी नई रिसर्च पॉलिसी पर ही होगा शोध कार्य

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में विभिन्न विषयों में 2021 के बाद बची हुई सीटों के अनुसार ही सफल अभ्यर्थियों का चयन कर पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट जारी होगा। एक सप्ताह के भीतर रिजल्ट जारी करने को लेकर कुलपति ने मंगलवार को विवि अधिकारियों के साथ इसकी समीक्षा की। इसमें पैट 2021, 2022 और 2023 को लेकर अलग-अलग मुद्दों पर समीक्षा की गई तथा सभी विभागाध्यक्षों से इसपर दो दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी गई।

विवि सीनेट हॉल में आयोजित समीक्षा में कुलपति ने पैट 2021 के कितने रिसर्च स्कॉलर को गाइड मिली, इसपर सभी विभागाध्यक्षों से रिपोर्ट मांगी। गाइड संबंधित रिपोर्ट पर ही पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट निर्भर करेगा। विभिन्न विषयों में अभ्यर्थियों की संख्या अधिक है, लेकिन गाइड ही नहीं हैं। ऐसे में विषयवार संसाधन का ब्योरा भी मांगा गया है। कुलपति ने स्पष्ट किया कि अगस्त में जारी नई रिसर्च पॉलिसी पर ही शोध कार्य होगा। इस निर्देश के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि विवादरहित शिक्षकों को गाइड का कार्य नहीं सौंपा जाएगा। विवि में पिछले एक महीने से पैट 2022 के अंतिम रिजल्ट की तैयारी चल रही है।

पैट 2022 की मौखिक परीक्षा सितंबर में खत्म हो गई थी। इसके बाद से रिजल्ट के लिए छात्र इंतजार कर रहे हैं। पैट 2022 के रिजल्ट में पैट 2021 के छात्रों को गाइड नहीं मिलने की समस्या भी आड़े आ रही थी। विवि ने पैट 2022 का जो रिजल्ट जारी किया था, उसमें सिर्फ 12.43 फीसदी अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण हो सके थे। अब इनमें से अंतिम तौर पर सीट के अनुसार चयन होगा। पैट में सबसे खराब स्थिति गणित, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्सियन की है। इन विषयों में कोई अभ्यर्थी सफल नहीं हो सका है। जबकि, सबसे बढ़िया इकोनॉमिक्स का रिजल्ट है। इसमें 36.92 फीसदी अभ्यर्थी सफल हुए हैं। पैट 2022 के लिए 26 विषयों में 3300 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

समीक्षा के दौरान कुलपति ने पैट 2021 के आधार पर शोधार्थियों को गाइड का आवंटन करने, पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट जारी करने के लिए विभिन्न विषयों की रिक्ति जुटाने और पैट 2023 की परीक्षा के लिए विभिन्न विषयों में रिक्त सीटों की संख्या की जानकारी ली। हालांकि, डीन व विभागाध्यक्ष मंगलवार को भी यह रिकार्ड नहीं दे सके। सभी को दो दिनों का समय दिया गया है।

मंगलवार को बीआरएबीयू के सांस्कृतिक महोत्सव सह टीम चयन प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

सांस्कृतिक महोत्सव में 51 प्रतिभागी शामिल

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के सांस्कृतिक महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को 51 प्रतिभागियों ने प्रतिभा दिखाई। इसमें सामा चकेवा से लेकर छठ गीतों कर प्रस्तुति ने सबको झुमा दिया। शास्त्रीय और लोकनृत्य विधा में विभिन्न महाविद्यालयों और पीजी विभाग से आये प्रतिभागियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बता दें कि इसी प्रदर्शन के आधार पर अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के लिए बीआरएबीयू टीम का गठन किया जाएगा।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 27.11.2024, PAGE-08

विश्वविद्यालय में शिक्षण और शोध दोनों में आया बदलाव

इंडक्शन प्रोग्राम

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बिहार विवि में शिक्षण और शोध की दृष्टि से अप्रत्याशित बदलाव आया है। ये बातें मंगलवार को बीआरएबीयू के यूजीसी-एमएमटीटीसी की ओर से आयोजित 95वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम की शुरूआत करते हुए बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने कही। मुख्य अतिथि बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने कहा कि तकनीक की बढ़ती हुई भूमिका और सोशल मीडिया ने शिक्षण कार्य को और अधिक चुनौतिपूर्ण बना दिया है। इसलिए हम शिक्षकों की भूमिका पहले से भी ज्यादा बढ़ जाती है। आज के समय में विद्यार्थियों के पास देश दुनिया के सभी विद्वानों के वीडियो लेक्चर्स उपलब्ध हैं। ऐसे में यदि हम शिक्षक अपनी शिक्षण प्रविधि में कुछ मौलिक विषयों को नहीं जोड़ेंगे या कुछ नवाचार नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाएंगे।

अध्यक्षता करते हुए, कुलपति प्रो. दिनेश चन्द्र राय ने कहा कि विवि शिक्षण और शोध में गुणवत्ता को लेकर प्रतिबद्ध है। अच्छे शोध-कार्यों के लिए विश्वविद्यालय स्वयं तो सहयोग करेगा ही, आवश्यकता पड़ने पर फंडिंग एजेंसियों से सहयोग में भी मदद करेगा। यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. राजीव कुमार झा ने बताया कि 50 प्रतिभागियों को प्रतिभागिता का अवसर दिया गया है। धन्यवाद ज्ञापन यूजीसी-एमएमटीटीसी के उपनिदेशक डॉ. राजेश्वर कुमार ने किया।

बीआरएबीयू की ओर से आयोजित 95वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में बोलते वक्ता।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 27.11.2024, PAGE-06

बीआरएबीयू करेगा वीमेंस बास्केटबॉल की मेजबानी

हि **खास**

■ धीरज कुमार सिंह

मुजफ्फरपुर। इंडियन यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वीमेंस बास्केटबॉल चैम्पियनशिप की मेजबानी पहलीबार बीआरएबीयू को सौंपी है। बीआरएबीयू स्पोर्ट्स कौंसिल ने इसका आयोजन एलएन मिश्रा बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज में कराने का निर्णय लिया है।

एलएन मिश्रा कॉलेज के खेल विभाग के प्रमुख शंकर सिंह झा ने बताया कि बीआरएबीयू स्पोर्ट्स कौंसिल और एलएन मिश्रा बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज ने चैम्पियनशिप को यादगार बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। कॉलेज कैंपस में बास्केटबॉल कोर्ट में सभी मैच खेले जाएंगे। चैम्पियनशिप की तिथि दिसंबर में तय की जाएगी। तिथि तय होने के बाद इसकी जानकारी इंडियन यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एसोसिएशन को भेजी जाएगी।

इससे पूर्व बीआरएबीयू में स्पोर्ट्स कौंसिल के तत्कालीन सचिव टीएन सहाय की देखरेख में 1985 में ईस्ट जोन व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टेटे चैम्पियनशिप का आयोजन विवि के परीक्षा भवन हो चुका है। इसके बाद कौंसिल के तत्कालीन सचिव सैयद डॉ. सैयद मुमताजुद्दीन की देखरेख ईस्ट जोन मेंस व वीमेंस बैडमिंटन चैम्पियनशिप विवि के इंडोर बैडमिंटन हॉल में तथा ईस्ट जोन मेंस फुटबॉल चैम्पियनशिप एलएस कॉलेज व एमआईटी फुटबॉल मैदान में हुआ था। दोनों आयोजनों में फुटबॉल के एनआईएस कोच स्व. कमल किशोर, वॉलीबॉल के एनआईएस कोच पारस प्रसाद गुप्ता और एलएस कॉलेज के खेल निदेशक महेन्द्र प्रसाद ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

विवि के कुलपति डॉ. दिनेशचन्द्र राय, कौंसिल के सचिव डॉ. कांतेश कुमार व कौंसिल के सलाहकार पूर्व नेशनल एथलीट आईएएस डॉ. संजय सिन्हा के प्रयास से बीआरएबीयू को ईस्ट जोन वीमेंस बॉस्केटबॉल चैम्पियनशिप की मेजबानी मिली है। यह आयोजन मुजफ्फरपुर में इस खेल के विकास में मददगार साबित होगा। इस आयोजन को लेकर बीआरएबीयू और शहर के बास्केटबॉल के मेंस व वीमेंस खिलाड़ी खासे उत्साहित हैं।

अंतर विवि टूर्नामेंट

- पहलीबार विवि बना बास्केटबॉल चैम्पियनशिप का आयोजक
- पूर्व में टेटे, बैडमिंटन व फुटबॉल का आयोजन कर चुका है विवि
- एलएन मिश्रा कॉलेज के कैंपस में होगा आयोजन, तैयारी शुरू
- दिसंबर में आयोजन, बास्केटबॉल के खिलाडी खासे उत्साहित

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 27.11.2024, PAGE-04

पैट 2023 से पहले विश्वविद्यालय जारी करेगा रिक्ति

कुलपति की अध्यक्षता में सीनेट हाल में सभी डीन और पीजी विभागाध्यक्षों की बैठक में लिया गया निर्णय

- विभिन्न विषयों में रिक्त सीटों के आधार पर जारी होना है पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट
- पैट 2021 के आधार पर शोधार्थियों को गाइड आवंटन पर चर्चा, संबद्ध कालेज के शिक्षक नहीं बनेंगे गाइड

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय पैट 2023 की परीक्षा से पहले विषयवार रिक्ति जारी करेगा। इसी आधार पर अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। दूसरी ओर सभी पीजी विभागाध्यक्षों की ओर से विषयवार रिक्त सीटों की जानकारी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई गई है। इसे विश्वविद्यालय की ओर से एकत्र कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। विषयवार रिक्त सीटों के आधार पर पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट जारी किया जाएगा। मंगलवार को सीनेट हाल में कुलपति प्रो. डीसी राय की अध्यक्षता में सभी डीन और पीजी विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें पैट 2021 के आधार पर शोधार्थियों को गाइड आवंटन पर चर्चा हुई। तय हुआ कि संबद्ध कालेज के शिक्षक किसी भी परिस्थिति में गाइड नहीं बनेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो.डीसी राय ने की। इसमें पैट 2022 के नोडल पदाधिकारी प्रो.प्रमोद कुमार व परीक्षा नियंत्रक डा.सुबालाल पासवान के साथ साइंस के डीन प्रो. शिवानंद सिंह, मानविकी के डीन प्रो. सतीश कुमार राय, पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष डा.मनोज कुमार, डा.ललन कुमार झा आदि मौजूद थे।

नई पालिसी लागू होने से पहले का आदेश नहीं होगा वापस : पैट 2021 के आधार पर समाजशास्त्र विषय के लिए तीन संबद्ध कालेज के तीन शिक्षकों को गाइड बनाया जा चुका है। ऐसे में इस फैसले को वापस नहीं लिया जा सकता है। नई रिसर्च पालिसी की गाइडलाइन अगस्त में जारी की गई है। ऐसे में पूर्व में लिए गए निर्णय को वापस नहीं लिया जा सकता है। नई रिसर्च पालिसी के अनुसार किसी भी परिस्थिति में संबद्ध कालेजों के शिक्षकों को गाइड नहीं बनाया जाना है। दूसरी ओर पैट 2023 की परीक्षा से पहले एक बार फिर आवेदन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से पोर्टल खोला जा सकता है। पैट 2022 में फेल करने वाले आवेदकों को आवेदन का एक मौका दिया जा सकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारी की जा रही है। बैठक में इसको लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। दूसरी ओर वर्ष 2024 में नेट, जेआरएफ उत्तीर्ण हुए शोधार्थियों के लिए पीएचडी में नामांकन को लेकर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। विश्वविद्यालय की ओर से निर्णय में देरी होने से शोधार्थी दूसरे विश्वविद्यालय में पलायन कर सकते हैं।

सीनेट हाल में बैठक को संबोधित करते कुलपति प्रो. डीसी राय • जागरण

इन विषयों में गाइड की सबसे अधिक कमी

• कंप्यूटर साइंस • शिक्षा • समाजशास्त्र • कामर्स • मैनेजमेंट • संगीत

संगीत समेत कुल छह विषयों में सीटें उपलब्ध नहीं

संगीत समेत कुल छह विषयों में सीटें उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से रास्ता तलाशा जा रहा है। संगीत समेत कई विषयों में परीक्षा पास करने वाले शोधार्थियों का कई विभागों ने कोर्स वर्क करा लिया है। इसके लिए यूजीसी की ओर से विषयवार चिह्नित किए गए एलाइड सब्जेक्ट यानी इंटरडिसीप्लीनरी सब्जेक्ट की सूची तैयार होगी। इस आधार पर संगीत के शोधार्थी को संबंधित विषय से जोड़कर पीएचडी में नामांकन होगा। दूसरी ओर एजुकेशन जैसे विषयों में दर्जनों शोधार्थियों ने कोर्स वर्क किया है।

13 कालेजों ने नहीं दिए इंटरनल और प्रैक्टिकल के अंक

- स्नातक सेकेंड सेमेस्टर में नौ तो टीडीसी पार्ट थर्ड में चार कालेजों ने नहीं भेजे अंक
- सेकेंड सेमेस्टर की कापियों का मूल्यांकन कार्य पूरा, टेबुलेशन का हो रहा इंतजार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में स्नातक सेकेंड सेमेस्टर और टीडीसी पार्ट थर्ड के परीक्षा परिणाम में देरी होनी तय है। नई समस्या कालेजों की लापरवाही से सामने आ रही है। विश्वविद्यालय के तहत आने वाले नौ कालेजों ने अब तक चार वर्षीय स्नातक कोर्स के सेकेंड सेमेस्टर की इंटरनल परीक्षा के अंक विश्वविद्यालय को उपलब्ध नहीं कराए हैं। कापियों का मूल्यांकन कार्य हो चुका है। अंकों का टेबुलेशन शुरू होना है। अंकों की अनुपलब्धता से टेबुलेशन कार्य शुरू नहीं हो सका है।

बताया जा रहा कि कालेजों की ओर से अंक भेजे जाने के बाद ही प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। दूसरी ओर चार कालेजों ने अब तक टीडीसी पार्ट थर्ड के विभिन्न विषयों के प्रैक्टिकल के अंक नहीं भेजे हैं। टीडीसी पार्ट थर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। विश्वविद्यालय का दावा है कि अगले महीने दोनों ही परीक्षाओं का परिणाम जारी कर दिया जाएगा। परीक्षा विभाग की ओर से एक बार फिर ऐसे कालेजों को रिमाइंडर भेजा गया है।

चार वर्षीय स्नातक सेकेंड सेमेस्टर के इन कालेजों ने नहीं भेजे अंक : जीवछ कालेज मोतीपुर, एनजीएम डिग्री महाविद्यालय बेलाही पूर्वी चंपारण, प्रिया रानी राय डिग्री कालेज बैरगनिया सीतामढ़ी, चंपारण ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट मरजदवा परसा पश्चिम चंपारण, इस्लामिया डिग्री महाविद्यालय शाहपुर कांटी, पंडित वेदानंद उमेश मिश्रा राम जानकी कालेज महुआ, वैशाली, रामेश्वर महावीर संध्या डिग्री कालेज हरसिद्धि पूर्वी चंपारण व रीतलाल सुरदीप यादव डिग्री महाविद्यालय मुजफ्फरपुर।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:27.11.2024, PAGE-04

देश में 26 नवंबर को अपनाया गया संविधान

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस पर एक देश- एक चुनाव विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जेडी वीमेंस कालेज पटना की राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूनम कुमारी ने एक देश- एक चुनाव विषय पर विस्तार से चर्चा की। स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम कुमारी, विषय प्रवेश प्रो. मधु कुमारी व धन्यवाद ज्ञापन डा. भारती सेहता ने किया। मंच संचालन डा. अमर बहादुर शुक्ला ने किया। मौके पर प्रो. अनिल कुमार ओझा, डा. दिलीप कुमार, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. रेणु कुमारी, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विनीता वर्मा, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. लक्ष्मी कुमारी समेत अन्य उपस्थित हुए। आरडीएस कालेज में स्नातकोत्तर इतिहास विभाग की ओर से संविधान दिवस के पर संविधान की महत्ता पर परिचर्चा आयोजित हुई। विभागाध्यक्ष डा. एमएन रजवी ने कहा कि 26 नवंबर के दिन ही भारतीय संविधान को अपनाया गया था। सामाजिक न्याय मंत्रालय ने लोगों को संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देने के लिए 26 नवंबर को ही संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। डा. ललित किशोर ने कहा कि संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। प्राचार्य डा. अनिता सिंह ने भी विचार रखे। छात्र-छात्राओं में शिम्पी, सलोनी, अनीशा, बेबी, नंदिनी, गौतम, अनिकेत, अनुपम उपस्थित हुए। एमडीडीएम कालेज में एनएसएस इकाई की ओर से संविधान दिवस पर उद्देशिका का शपथ समारोह और क्विज का आयोजन किया गया। इसमें 50 छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्य प्रो. कनुप्रिया, प्रो. शकीला नजीम, डा. अनुराधा सिंह, डा. राकेश रंजन, डा. देवश्रुति घोष, डा. निशा, डा. सरिता, डा. प्रिया समेत अन्य ने विचार रखे। आरबीबीएम कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और नेहरू युवा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 250 युवाओं की सहभागिता के साथ एक पदयात्रा निकाली गई। इसके बाद एक जागरूकता संगोष्ठी और कर्तव्य संवाद का आयोजन हुआ। इसमें संवैधानिक मूल्यों और भारतीय संविधान के बुनियादी तत्वों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर आयोजित खुले प्रश्नोत्तरी और ज्ञान प्रतियोगिता में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिला युवा अधिकारी रश्मि सिंह ने भी विचार रखे। रामेश्वर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से संविधान दिवस व नशामुक्ति दिवस को समारोह पूर्वक मनाया गया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. ब्रह्मचारी व्यास नन्दन शास्त्री ने की। कार्यक्रम् उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अभय कुमार सिंह ने किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. चितरंजन कुमार ने विचार रखे। मंच संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी डा. संतोष कुमार व धन्यवाद ज्ञापन डा. ज्योति कुमारी ने किया। कार्यक्रम में समीक्षा, कृति, अंशु, मीनाक्षी, मुस्कान, लिसा आकाश राहुल इत्यादि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कचहरी परिसर में संविधान की प्रस्तावना का किया गया पाठ

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : संविधान दिवस के अवसर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर कचहरी परिसर मे मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में न्यायिक अधिकारियों व व्यवहार न्यायालय के कर्मियों ने सवेद स्वर में संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया। इसके साथ ही संविधान सप्ताह कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह संविधान सप्ताह दो दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से व्यापक कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव जयश्री कुमारी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन के सहयोग से जिले के सभी क्षेत्रों में अभियान चलाकर लोगों विधिक सेवा के संबंध में जागरूक किया जाएगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 27.11.2024, PAGE-02

इंटर कॉलेज महिला क्रिकेट प्रतियोगिता पर आरबीबीएम कॉलेज ने जमाया कब्जा

एमडीडीएम कॉलेज की टीम को 83 रनों के बड़े अंतर से पराजित कर दिया

भास्कर न्यूज़ | मुजफ्फरपुर

उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों के साथ आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्य।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की इंटर कॉलेज महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में गत विजेता आरबीबीएम कॉलेज की टीम ने एमडीडीएम कॉलेज को 83 रनों के बड़े अंतर से हराकर खिताब फिर से अपनी झोली में डाल लिया। मैच में शानदार अर्द्धशतक लगाने वाली जाह्नवी रंजन मैन ऑफ द मैच रहीं। विजेता व उपविजेता टीम को मेजबान कॉलेज की प्राचार्य डॉ. ममता रानी ने ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। एलएस कॉलेज के मैदान पर आरबीबीएम कॉलेज की मेजबानी में मंगलवार को महिला क्रिकेट प्रतियोगिता हुई। कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा ने नारियल फोड़कर और खिलाड़ियों से परिचय लेकर उद्घाटन किया। साथ में क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. कांतेश कुमार, खेल सलाहकार डॉ. संजय सिन्हा व प्राचार्य डॉ. ममता रानी थे। खिताबी मुकाबले में मेजबान आरबीबीएम कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। टीम के लिए हेमा और जाह्नवी ने शानदार 74 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत दी। निर्धारित 10 ओवर में आरबीबीएम की टीम ने दो विकेट खोकर 118 रनों का स्कोर खड़ा किया। जाह्नवी 63 रन बनाकर नाबाद लौटीं, जिसमें 11 चौके थे। हेमा ने 17 रन, अस्मिता ने 15 रन नाबाद बनाए। एमडीडीएम कॉलेज की काजल और नैंसी ने एक-एक विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमडीडीएम कॉलेज की टीम निर्धारित 10 ओवर में मात्र 34 रन ही बना सकी। हेमा और अस्मिता ने दो-दो विकेट झटके। फरहत व अर्पिता ने एक-एक विकेट लिए। इसके पहले एमडीडीएम कॉलेज की टीम ने एमएसकेबी कॉलेज को 39 रनों से हराकर फाइनल में पहुंची। आरबीबीएम कॉलेज के शिक्षकों के साथ ही एमएसकेबी कॉलेज की कोच डॉ. नूतन, एमडीडीएम कॉलेज के क्रीड़ा सचिव डॉ. रामदुलार साहनी, मुंशी सिंह कॉलेज के खेल निदेशक मनोरंजन प्रसाद सिंह व आरबीबीएम कॉलेज के क्रीड़ा सचिव डॉ. अभय कुमार आदि थे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 27.11.2024, PAGE-02

पीएचडी के लिए गाइड की कमी, एलाइड सब्जेक्ट से जोड़ कराया जाएगा शोध

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में नई रिसर्च पॉलिसी लागू होने के बाद पैट 2021 में कोर्स वर्क पूरा कर चुके आधा दर्जन विषयों के अभ्यर्थियों के लिए गाइड की तलाश करनी होगी। इस सत्र के शोधार्थियों को गाइड आवंटित करने के बाद ही पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट जारी हो सकेगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में पैट 2023 के लिए रिक्ति तैयार करने की कवायद भी शुरू हो गई है। मंगलवार को सेंट्रल लाइब्रेरी स्थित सीनेट हॉल में कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने सभी डीन और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर पीएचडी के तीन सत्र के लिए विषयवार रिक्ति तैयार करने का निर्देश दिया। कुलपति ने कहा कि संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक गाइड नहीं बनाए जाएंगे। यूजीसी के वेतनमान पर नियुक्त नियमित शिक्षकों को ही गाइड बनाया जाएगा। सभी विषयों में रिक्ति तैयार करने को कहा गया। बता दें कि विश्वविद्यालय में इस साल अगस्त में नई रिसर्च पॉलिसी तैयार की गई है। इसे सत्र 2021 से ही प्रभावी किया जा रहा है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 27.11.2024, PAGE-04

यूजीसी एमएमटीटीसी में आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम में मौजूद अतिथि.

तकनीक व सोशल मीडिया से शिक्षण बना चुनौतीपूर्ण

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- यूजीसी-एमएमटीटीसी की ओर से फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम शुरू
- विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो गिरीश कुमार ने दिया व्याख्यान

बीआरएबीयू के यूजीसी-एमएमटीटीसी की ओर से 95वां फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो गिरीश चौधरी व विशिष्ट अतिथि बिहार राज्य विवि सेवा आयोग के सदस्य प्रो.अनिल सिन्हा सम्मिलित हुए.

अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो दिनेश चन्द्र राय ने की. प्रो अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार विश्वविद्यालय और यहां के एमएमटीटीसी का भी अपना गौरवपूर्ण इतिहास है. इस विश्वविद्यालय के शोध के वातावरण को सुंदर बनाने में इस सेंटर की बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है. प्रोफेसर गिरीश चौधरी ने कहा कि तकनीक की बढ़ती हुई भूमिका और सोशल मीडिया ने शिक्षण कार्य को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है. ऐसे में शिक्षकों का दायित्व पहले से ज्यादा बढ़ गया है.

पहले शिक्षक नोट्स बनाते थे और उसके सहयोग से पढ़ाते थे, बाद में छायाप्रति के सहारे विद्यार्थी अपना काम चला लेते थे, लेकिन आज के समय में विद्यार्थियों के पास देश-दुनिया के सभी विद्वानों के वीडियो लेक्चर्स उपलब्ध हैं. ऐसे में, यदि हम शिक्षक अपनी शिक्षण प्रविधि में कुछ मौलिक विषयों को नहीं जोड़ेंगे या कुछ नवाचार नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जायेंगे. स्वागत भाषण करते हुए यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो राजीव झा ने कहा कि 50 प्रतिभागियों को प्रतिभागिता करने का अवसर प्रदान किया है. धन्यवाद ज्ञापन करते हुए यूजीसी-एमएमटीटीसी के उपनिदेशक डॉ राजेश्वर कुमार ने कहा हम सभी प्रतिभागियों के प्रति आभारी हैं कि उन्होंने अन्य विकल्पों को छोड़कर हमारे एमएमटीटीसी को एफआइपी के लिए चुना. बताया कि अगले महीने के वैशाली परिभ्रमण की योजना है. उद्घाटन सत्र का संचालन कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ जितेशपति त्रिपाठी ने किया.

शिक्षण व शोध गुणवत्ता से नहीं करेंगे समझौता

वीसी प्रो दिनेश चन्द्र राय ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षण और शोध मे गुणवत्ता को लेकर प्रतिबद्ध है. अच्छे शोध-कार्यों के लिए विश्वविद्यालय स्वयं तो सहयोग करेगा ही आवश्यकता पड़ने पर फंडिंग एजेंसियों से सहयोग प्राप्त करने मे भी मदद करेगा. निकट भविष्य मे अपना विवि अकादमिक उपलब्धियों के लिए जाना जाए, इसके लिए हर तरह का प्रयास किया जा रहा है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 27.11.2024, PAGE-04

संविधान दिवस : विवि व कॉलेजों में हुआ आयोजन, निकाली रैली

एक देश-एक चुनाव केंद्र के एजेंडे में शामिल प्रमुख सुधारों में है

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के पीजी राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान हुआ. एक देश एक चुनाव विषय पर व्याख्यान की मुख्य वक्ता जेडी वुमेन्स कॉलेज, पटना के राजनीति विज्ञान की अध्यक्ष प्रो पूनम रही. उन्होंने एक देश-एक चुनाव से जुड़े विविध पहलुओं पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला. बताया कि एक देश एक चुनाव निवर्तमान केंद्र सरकार के एजेंडे में शामिल अहम सुधारों में से एक है. केंद्रीय विचार यह है कि लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनावों को समेकित क्रमित किया जाए ताकि देशभर में चुनाव की आवृत्ति को कम किया जा सके. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो.नीलम कुमारी ने दिया.

विषय प्रवेश प्रो मधु व धन्यवाद ज्ञापन डॉ भारती सेहता ने किया. मंच संचालन डॉ अमर बहादुर शुक्ला ने किया. प्रो अनिल ओझा, डॉ दिलीप, इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रो रेणु, अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो विनीता वर्मा, दर्शनशास्त्र की अध्यक्ष प्रो लक्ष्मी समेत अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थीं. **इधर,** एमआइटी में संविधान दिवस का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रो सौवी राय ने की. प्राचार्य डॉ एमके झा, डॉ वाईएन शर्मा व अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे.

आरबीबीएम कॉलेज से निकली पदयात्रा : रामवृक्ष बेनीपुरी महिला महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ.प्राचार्य डॉ ममता रानी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक निगम, नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी रश्मि सिंह, डॉ प्रियंका व अन्य अतिथियों ने शुभारंभ किया. 250 युवाओं की सहभागिता के साथ एक पदयात्रा निकाली गयी. डॉ नूपुर वर्मा, डॉ दिव्या भारद्वाज व डॉ मीनू मनोहर ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया. प्रशंसा, गीतांजलि व सौम्या प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं. 13 विजेताओं को पुरस्कार मिले.

आंबेडकर की विशेष भूमिका: इधर,महेश प्रसाद सिन्हा साइंस कॉलेज में संगोष्ठी हुई. महेश बाबू व संविधान निर्माता डॉ आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. प्राचार्य डॉ नलिन विलोचन, डॉ राजकुमार सिंह ने विचार रखे. राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ मुखलाल राय ने कहा कि संविधान के निर्माण में आंबेडकर के साथ अन्य लोगों की भूमिका रही.

कार्यक्रम को डॉ अरविन्द कुमार सिंह, डॉ एजाज अनवर, डॉ शिशिर ने भी संबोधित किया. संचालन डॉ अमित कुमार साह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ मो.कैशर अली ने किया. मौके पर डॉ रंजीत कुमार, डॉ नवीन कुमार, डॉ रुचिता समेत अन्य मौजूद थे.

विश्वविद्यालय के पॉलिटिकल साइंस विभाग में कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि.

एमडीडीएम में क्विज, सभी जवाब देकर अंजली विजेता

मुजफ्फरपुर. महंत दर्शन दास महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की ओर से संविधान दिवस पर उद्देशिका का शपथ समारोह व क्विज का आयोजन किया गया. प्राचार्य प्रो .कनुप्रिया ने प्रतिभागी छात्राओं को युवा सप्ताह के अवसर पर सर्टिफिकेट देने की घोषणा की. कार्यक्रम में प्रो शकीला नजीम, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनुराधा सिंह, बर्सर डॉ राकेश रंजन, डॉ देवश्रुति घोष, डॉ निशा, डॉ सरिता, डॉ प्रिया के साथ छात्राएं उपस्थित रहीं. क्विज में प्रथम अंजली चौधरी को मिला. द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से पल्लवी व अनन्या भारती व तृतीय स्थान शैलजा अग्रवाल को मिला.

निहित मंतव्य आत्मसात करने की आवश्यकता

मुजफ्फरपुर. ललित नारायण तिरहुत महाविद्यालय में कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ अभय सिंह ने किया. कहा कि संविधान में निहित मंतव्य को आत्मसात करने की जरूरत है. हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ चितरंजन ने विचार रखे. निबंध एवं भाषण स्पर्धा में प्रिया स्नेहा, समीक्षा व मो अमानुल्लाह विजेता बने. डॉ संतोष, डॉ ज्योति, समीक्षा, कृति, अंशु, मीनाक्षी, मुस्कान, लिसा आकाश राहुल समेत अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

संविधान हमारा गौरव व स्वाभिमान है : डॉ रजवी

मुजफ्फरपुर. रामदयालु सिंह महाविद्यालय के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग में परिचर्चा हुई. विभागाध्यक्ष डॉ एम एन रजवी ने कहा कि 26 नवंबर के दिन ही भारतीय संविधान को अपनाया गया था. डॉ ललित किशोर ने कहा कि संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है. प्राचार्य डॉ अनीता सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान में हमारे मौलिक अधिकार और मौलिक दायित्व भी दिये हैं. हमें पूर्ण जिम्मेदारी, इमानदारी व मेहनत से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए. छात्र-छात्राओं में शिम्पी, सलोनी, अनीशा, बेबी, नंदिनी, गौतम, अनिकेत अनुपम आदि ने भी विचार रखे.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 27.11.2024, PAGE-04

कोर्स वर्क को पूरा करने के बाद गाइड की तलाश करेंगे अभ्यर्थी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- वीसी की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों व विभागाध्यक्षों की बैठक
- नयी रिसर्च पॉलिसी, संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक नहीं बनेंगे गाइड

बीआरएबीयू में मंगलवार को सेंट्रल लाइब्रेरी स्थित सीनेट हॉल में कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों व विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की गयी. इसमें पीएचडी कोर्सवर्क पूरा करने वाले 2021 सत्र के अभ्यर्थियों के लिए गाइड आवंटन, 2022 सत्र के रिजल्ट व 2023 सत्र के लिए सीटों की रिक्ति समेत अन्य एजेंडे पर चर्चा की गयी. कुलपति ने तीन सत्र के लिए विषयवार रिक्ति तैयार करने को लेकर दिशा-निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक पीएचडी के लिए गाइड नहीं बनाये जायेंगे.

यूजीसी के वेतनमान पर नियुक्त नियमित शिक्षकों को ही गाइड बनाने को लेकर पहले ही नयी रिसर्च पॉलिसी जारी की जा चुकी है. इसी आधार पर नयी रिक्ति जारी की जायेगी. नयी पॉलिसी को 2021 सत्र से ही प्रभावी कर दिया गया है. ऐसे में संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों के गाइड नहीं बनने के कारण अंगीभूत कॉलेजों व पीजी विभागों में करीब आधा दर्जन विषयों में सीटें काफी कम या बिल्कुल नहीं हैं. ऐसे में कोर्स वर्ष पूरा करने के बाद अब अभ्यर्थियों को गाइड की तलाश करनी होगी. आधा दर्जन से अधिक विषयों में सीटें या तो नहीं हैं या इक्का-दुक्का सीटें ही रिक्त हैं. विवि की ओर से नयी रिसर्च पॉलिसी लागू किये जाने के बाद संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को पीएचडी गाइड बनाये जाने पर रोक लगा दी गयी है. ऐसे में आधा दर्जन विषयों में सीटों का टोटा हो गया है. पैट 2021 में कोर्स वर्क पूरा कर चुके आधा दर्जन विषयों के अभ्यर्थी गाइड नहीं मिलने के कारण परेशान हैं.